



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा



(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

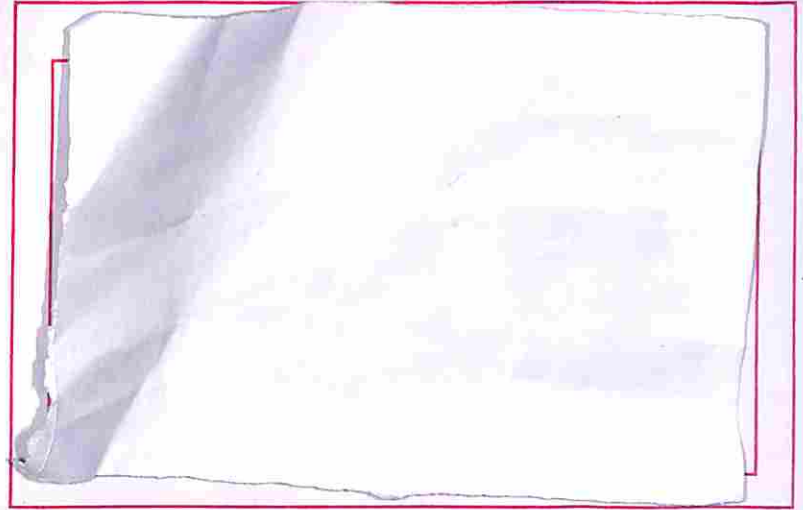
प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	
2	5	20	
3	9½	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	3	योग	55½
15	3	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	56	छप्पन
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर

88

संकेतांक

36085



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒अंग्रेजी ☐

विषय - कृषि रसायन

परीक्षा का दिन - बुधवार

दिनांक - 4/3/26

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्व्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - "अ"

1.

i) ~~0.3%~~ [स] ।ii) ~~ग्रेनाइट~~ [ब] ।iii) ~~10:1~~ [ब] ।

iv) रा. जेपोबीकम [स] ।

v) ~~$M_4 Si_8 O_{20} [OH]_4$~~ [अ] ।vi) ~~2:1~~ [ब] ।vii) ~~100 - 300 सेन्टी मोल प्रति किग्र.~~ [स] ।viii) ~~OH^-~~ [स] ।ix) ~~NH_4OH~~ [ब] ।x) ~~Fe_2~~ [द] ।xi) ~~डोलेमाइट~~ [ब] ।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

xii) नाइट्रोजन [स]।

xiii) यूरिया [द]।

xiv) 10 दिन [अ]।

xv) अमनाकशी रस [स]।

xvi) उपरोक्त सभी [द]।

xvii) 7.29 [अ]

xviii) 80 [स]।

2.

i) सोलम।

ii) नाइट्रो सोमोनस नाइट्रो वेक्टर।

iii) समजन बल।

iv) 6

v) 23.2।

 $\frac{1}{2} \times 18$

BSER-18/2026

(9)



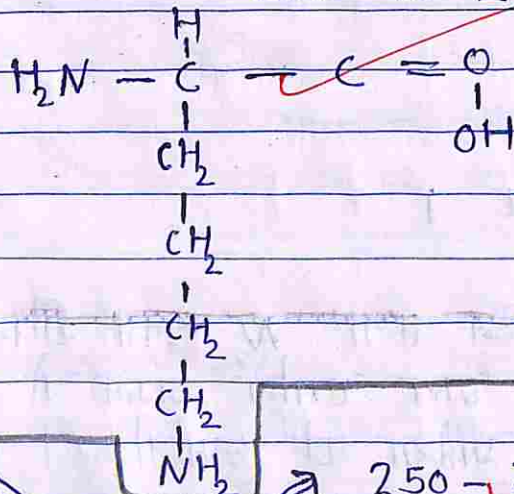
परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	vi)	10 g PPM ।
	vii)	फ्लोरोसिस ।
	viii)	(CH₂O)_n ।
	ix)	न्यूक्लियोसाइट ।
$\frac{1}{2} \times 10 = 5$	x)	अदलहनी [अनाज, गेहूं, मक्का]
BSER-18/2026	3.	
1	i)	<u>चुना पत्थर</u> , <u>बालु पत्थर</u> ।
1	ii)	अमीनीकरण → जब <u>प्रोटीन</u> तथा <u>N₂ युक्त यौगिकों</u> का <u>एन्जाइम</u> की <u>क्रिया</u> द्वारा <u>अमीनो अम्ल</u> में बदला जाता है, तब उस प्रक्रिया को <u>अमीनीकरण</u> कहते हैं।
		प्रोटीन, N ₂ युक्त यौगिक + H ₂ O $\xrightarrow{\text{एन्जाइम}}$ R-NH ₂ + H ₂ O
1	iii)	<u>मॉन्टमोरिलोनाइट</u> [<u>Al₂Si₄O₁₀(OH)₂</u>] ।
1	iv)	मृदा का <u>प्रतिशत वेस संतृप्ति</u> → $V = \frac{\text{कुल विनिमय क्षमता} - \text{घनायन विनिमय क्षमता}}{\text{कुल विनिमय क्षमता}} \times 100$

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

i) ~~S, Co, Mg~~ 1ii) ~~अमोनियम सल्फेट~~ $\rightarrow [NH_4]_2 SO_4$ iii) ~~मियाइल पैराथियोन, डिमेटोन, फॉरेट~~ 1/2

iv) फसलो पर विषैला प्रभाव जिससे जीव-जीवतुओं व मनुष्यों में कई विमारिया उत्पन्न होगी।

v) लाइसिन = $[Val] [K] \rightleftharpoons$ मूल्य नाम

BSER-18/2026

vi) ~~250 - 300 kg / हेक्टेयर प्रति वर्ष~~ 1खण्ड - "ब"

प. मृदा परिच्योदिका $\rightarrow$ जब मृदा में उर्वरक काट लगाया जाता है, तब मृदा में अनेक संस्तर दिखाई देते हैं। $\rightarrow [O, A, B, C, R]$ जिसे मृदा परिच्योदिका कहते हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- O_1 संस्तर $\rightarrow$ इसमें सड़े-गले पदार्थ होते हैं, जिन्हें नग्न आँखों से देखा जा सकता है।
- A_1 संस्तर $\rightarrow$ इसमें सभी प्रकार के अपघटित पदार्थ आते हैं, इन्हें नग्न आँखों से नहीं देखा जा सकता।
- B_1 संस्तर $\rightarrow$ इसे निक्षेपित संस्तर कहते हैं, इसमें सभी प्रकार के पदार्थ रहते हैं।
- C_1 संस्तर $\rightarrow$ यह मृदा की अपेक्षा कठोर परत है, इसमें आयन उपस्थित रहते हैं।
- R संस्तर $\rightarrow$ यह कठोर परत है, जो पीले रंग दि दिखाई देती है।

5. कार्बन नाइट्रोजन अनुपात $\rightarrow$ इसका तात्पर्य है, की मृदा में उपस्थित कार्बन $[C]$ की कुल मात्रा तथा मृदा में उपस्थित नाइट्रोजन $[N]$ की कुल मात्रा का अनुपात ही कार्बन नाइट्रोजन अनुपात कहलाता है।

$$\underline{C:N} = \frac{\text{मृदा में उपस्थित } C \text{ की कुल मात्रा}}{\text{मृदा में उपस्थित } N \text{ की कुल मात्रा}} \times 100$$

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

6. ह्युमस का महत्व $\rightarrow$

- ह्युमस मृदा ~~कणों~~ को बांधकर रखता है।
- ह्युमस मृदा में ~~जल~~ धारण क्षमता बढ़ता है।
- ह्युमस मृदा की ~~उपजाऊ~~ क्षमता बढ़ाता है।

7. आयन विनिमय तथा इसके प्रकार $\rightarrow$

- आयन विनिमय $\rightarrow$ "सजातिय आवेश वाले आयनों का पारस्परिक अवशोषण ही आयन विनिमय कहलाता है।"

या विभिन्न आयनों के स्थानान्तरण को आयन विनिमय कहते हैं।

इसके प्रकार $\rightarrow$ 2 प्रकार हैं। $\rightarrow$

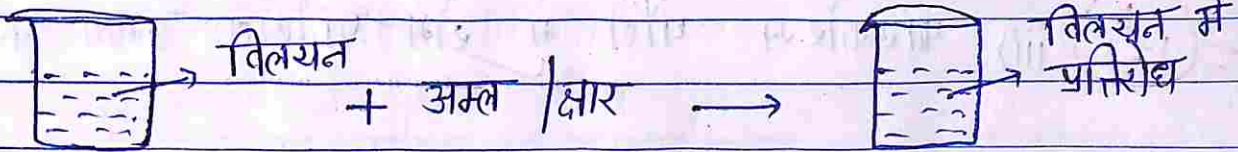
- धनायन विनिमय $\rightarrow$ धनायनों का विनिमय $\rightarrow \text{Na}^+, \text{K}^+, \text{Ca}^{2+}$
- ऋणायन विनिमय $\rightarrow$ ऋणायनों का विनिमय $\rightarrow \text{Cl}^-, \text{NO}_3^-, \text{OH}^-$

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

8. उभयप्रतिरोध क्षमता $\rightarrow$

"किसी विलयन में उपस्थित pH मान को परिवर्तन करने के लिए थोड़ी मात्रा में अम्ल या क्षार मिला दिया जाए तो वह विलयन प्रतिरोध दर्शाता है, उभय प्रतिरोध विलयन कहलाता है।" उभयप्रतिरोध क्षमता।

9. लवणीय व क्षारिय मृदाओं में तीन अन्तर $\rightarrow$

	लवणीय मृदा	क्षारिय मृदा
i)	इन मृदाओं का pH < 8.5 तक होता है।	इन मृदाओं का pH $8.5 -$ अधिक होता है।
ii)	इन मृदाओं का $E.C$ मान 2.5 dS/m से अधिक है।	इन मृदाओं का $E.C$ मान 2.5 dS/m से कम है।
iii)	इन मृदाओं को हिलगार्ड वैज्ञानिक ने सफेद असर भूमि कहा है।	इन मृदाओं को वैज्ञानिक हिलगार्ड ने काली रेह कहा है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

10. पौधों में फास्फोरस के तीन कार्य →

- i) फास्फोरस पौधों की जड़े विकसित करने का कार्य करता है
- ii) फास्फोरस पौधों के कार्बिक भागों के विकास के लिए अति आवश्यक है।
- iii) फास्फोरस पौधों में रोम प्रतिरोध क्षमता बढ़ाता है।

11. कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट के तीन गुण →

- i) कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट [CAN] जल में दुलना-शील होता है।
- ii) कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट सफेद रंग का दानेदार प्रकार का उर्वरक है।
- iii) कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट उदासीन प्रकृति का एक उर्वरक है।

12. पौधों की वृद्धि पर वायु प्रदूषण के प्रभाव →

— पौधों की वृद्धि पर वायु प्रदूषण से कई प्रकार के प्रभाव उत्पन्न होते हैं →

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- पौधे में कार्बन तथा नाइट्रोजन का अनुपात असंतुलित हो जाएगा ।
- पौधे की वृद्धि रुक जाएगी एवं उत्पाद क्षमता में गिरावट आ जाएगी । तथा पौधे पीले पड़ जाएंगे ।
- वायु प्रदूषण से पौधे अपना भोजन नहीं बना पाएंगे । जिससे उनकी वृद्धि रुक जाएगी ।
- वायु प्रदूषण से पौधों व पेड़-पौधों पर अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होंगे ।
- वायु प्रदूषण से पौधे प्रकाश संश्लेषण कि क्रिया नहीं कर पाएंगे तथा पोषक तत्व व N_2 की कमी हो जाएगी । [पौधा सुखने लगेगा]

13. दुध का आपेक्षिक घनत्व व अम्लता प्रतिशत का सूत्र $\rightarrow$

- आपेक्षिक घनत्व $\rightarrow$
$$1 + \frac{C.L.R}{1000} = 1 + \frac{C.L.R}{1000}$$

- अम्लता प्रतिशत $= \frac{N}{10}$

-
$$\frac{NaOH \text{ की प्रयुक्त मात्रा} \times 0.009}{\text{दुध की मात्रा}} \times 100$$

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खाद - "स"

14. लवणीय व क्षारिय मृदाओं के जैविक सुधार →

1. गोबर की खाद → लवणीय व क्षारिय मृदाओं के सुधार हेतु गोबर की खाद सामान्यतः 10-15 तणु प्रति 1 हेक्टे के हिसाब से खेत में डालनी चाहिए।

- गोबर की खाद में N: P: K क्रमशः 0.5, 0.25, 0.5 होते हैं। जो मृदा को उदासीन करके उपजाऊ बनाते हैं।

2. वातस्पतिक अवशेष → लवणीय व क्षारिय मृदाओं को सुधारने के लिए वातस्पतिक अवशेष का प्रयोग किया जाता है।

इसमें सीधे ही खेत में उगी फसल को खेत में ही बिछाकर सुदमजीवों द्वारा अपघटन कि क्रिया कर सुधार किया जाता है।

3. हरि खाद → इसका लवणीय व क्षारिय मृदाओं के सुधार हेतु अधिक प्रयोग किया जाता है। इसमें फसलों को उनके हरि अवस्था में ही काट-कर खेत में बिछा दिया जाता है।

जैसे → सबई, ढेंचा, ग्वार, मुँग, उड़ुंग।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

4. सीरा व प्रेसमंड → इसका प्रयोग कदा-यदा [कभी-कभी] ही लवणीय व क्षारिय मृदाओं के सुधार हेतु किया जाता है।

यह एक कार्बनिक पदार्थ है, इसकी तरह, इसका प्रयोग मृदा में झुंझकर या छिड़ककर किया जाता है।

3. इसका प्रयोग सर्वप्रथम → वैज्ञानिक नील रत्न धर द्वारा।

15. डाई अमोनियम फॉस्फेट का संगठन, गुण व अभिक्रिया →

- सूत्र → $[NH_4]_2 HPO_4$

A) संगठन →

i) नमी की मात्रा → 1%.

ii) नाइट्रोजन → 18%.

iii) फॉस्फोरस → 46%.

- आध्यादेश 1954 के अनुसार डाई अमोनियम फॉस्फेट D.A.P का संगठन यह है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

B) गुण →

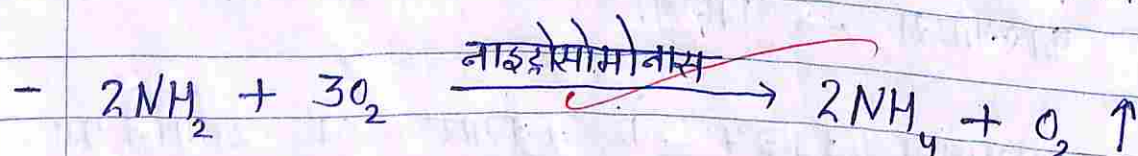
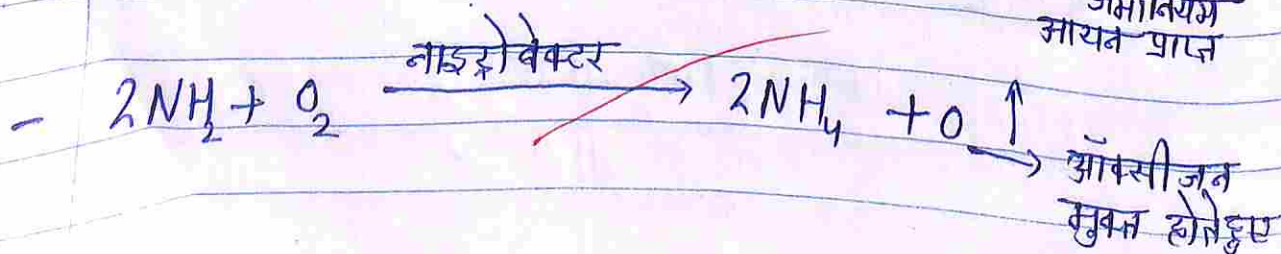
- i) D.A.P [डाई अमोनियम फॉस्फेट] अम्लीय प्रकृति
का एक उर्वरक है।
- ii) D.A.P [डाई अमोनियम फॉस्फेट] जल में घुलनशील
है।
- iii) D.A.P [डाई अमोनियम फॉस्फेट] दानेदार तथा
सफेद रंग उर्वरक है।

C) अभिक्रिया →

- i) D.A.P मृदा में अम्लीय प्रभाव उत्पन्न करता है
- ii) मृदा में यह अमोनियम हायड्रॉक्साइड के रूप में मिलता है तथा फॉस्फेट अमोनियम के रूप में मिलता है।
- iii) अमोनियम पौधों को नाइट्रेट के रूप में मिलता है, जबकि फॉस्फेट पौधों को जल में घुलकर सीधे मिलता है।

माना

(3)

→ पौधों को
अमोनियम
मायन प्राप्तऑक्सीजन
मुक्त होता है



16. दुध कि परिभाषा व संभावन को प्रभावित करने वाले कारक →

- दुध → दुध का तात्पर्य है, कि पशु के 15 दिन पूर्व तथा ह्याने के 10 दिन पश्चात् जो शुद्ध सफेद रंग का लैक्टियल स्राव होता है, उसे ही दुध कहते हैं।

- प्रभावित करने वाले कारक →

i) पशु कि नस्ल → पशु कि नस्ल दुध उत्पादन को प्रभावित करती है, पशु कि नस्ल संकरण या उत्तन होगी तो दुध उत्पादन अधिक होगा।

ii) पशु का आहार → पशु का आहार दुध उत्पादन में एक महत्वपूर्ण कारक है, पशु को एक अच्छे व पोष्टिक युक्त आहार देंगे तो दुध उत्पादन अधिक होगा।

iii) पशु के ह्यान्त का समय → पशु के दुध उत्पादन उसके ह्यान्त का समय भी महत्वपूर्ण है, पशु अगर 2-4 ह्यान्त तक का होगा तो दुध उत्पादन अधिक होगा तथा 5-6, 7 तक होगा तो दुध उत्पादन में कमी होगी।

iv) पशु की जाति → यह निर्धारण पशु की जाति के आधार पर भी कि जाति है, जैसे - पशु भेड़ है, बकरी है, या गाय है या भैंस, यह उसके जाति भी निर्धारण करती है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

v) दुग्ध दोहन की विधि $\rightarrow$ दुग्ध उत्पादन में दुग्ध दोहन की विधि का भी प्रभाव पड़ता है। यह की दुग्ध दोहन पूर्ण हस्त द्वारा किया गया है, या अंगुठा दबाकर किया गया है, या मशीनो द्वारा किया गया है।

1+2
= (3)
vi) पशु की आयु $\rightarrow$ दुग्ध उत्पादन में पशु की आयु भी निर्भर रहती है। की पशु कितने वर्ष का है, उसके हिसाब से दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा तथा घटेगा।

खाउ - "द"

17. पादप पोषक तत्वों को परिभाषित तथा अधिग्रहण की क्रियाविधि $\rightarrow$

- "पोषक तत्व" $\rightarrow$ वे सभी आवश्यक तत्व जिनको पौधों की वृद्धि तथा उपापज्य क्रिया में वृद्धि करने के लिए आवश्यकता होती है, उसे ही पादप "पोषक तत्व" कहते हैं।

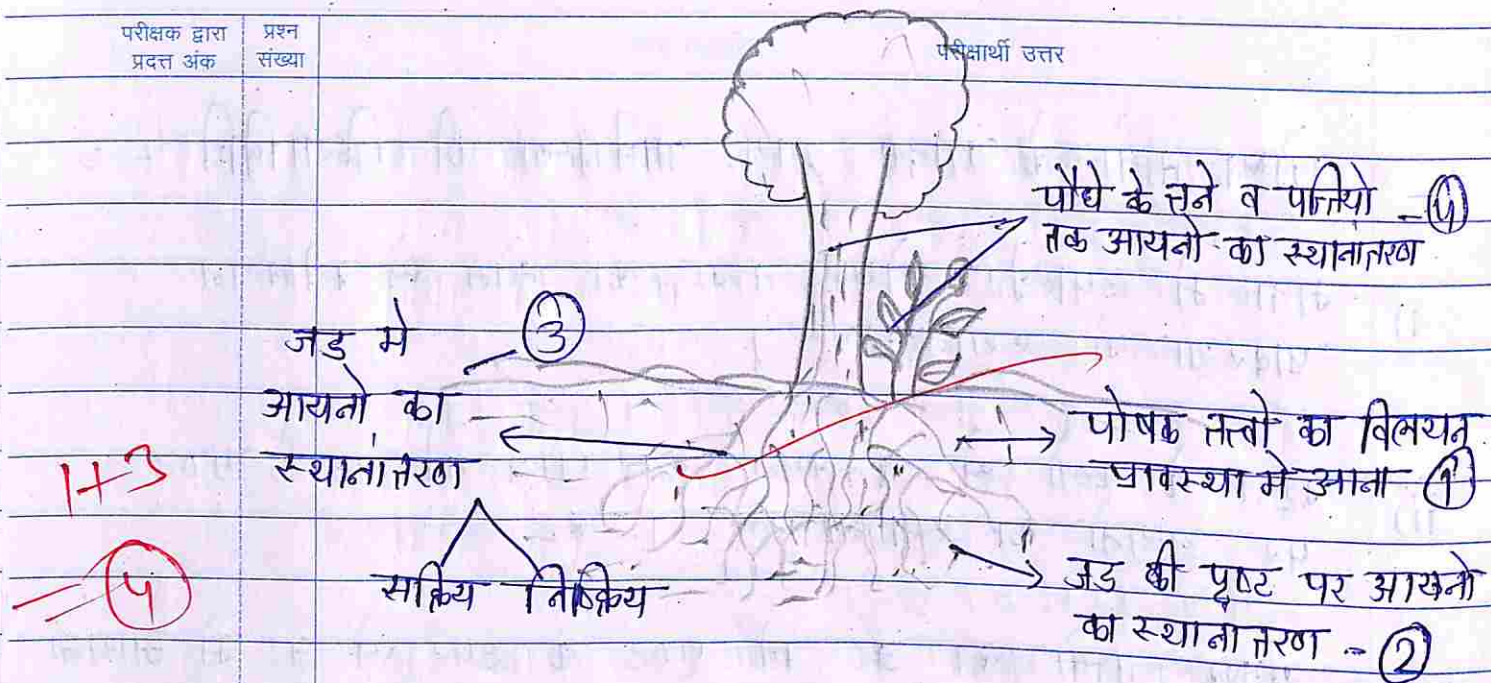
- पोषक तत्व $\rightarrow$ N, P, K, Ca, Mg, S, Zn, C, H, O, N, P आदि पोषक तत्व पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक होते हैं।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
-		पोषक तत्वों के पादप द्वारा अधिग्रहण की क्रियाविधि →
i)		मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का ठोस से विलयन प्रावस्था में स्थानान्तरण ।
ii)		मृदा के कणों से विलयन का पौधों की जड़ के पृष्ठ पर आयनों का स्थानान्तरण ।
iii)		पोषक तत्वों का जड़ की पृष्ठ के ऊपर से जड़ में आयनों का स्थानान्तरण ।
iv)		पोषक तत्वों का जड़ के अन्दर से पौधों के तने पत्तियों व अन्य भागों तक पोषक तत्वों का स्थानान्तरण ।
-		जड़ में आयनों का अधिशोषण दो प्रकार से होता है →
A)		सक्रिय अवशोषण → पौधों द्वारा ऊर्जा का उपयोग करके किया गया अवशोषण सक्रिय अवशोषण है।
B)		निष्क्रिय अवशोषण → सूक्ष्मजीवों द्वारा ऊर्जा का उपयोग करके किया गया अवशोषण । बिना पौधों की ऊर्जा का उपयोग न किये गए पर होने वाला अवशोषण ही निष्क्रिय अवशोषण है।
-		पौधों में आयनों का स्थानान्तरण →

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परिभाषा उत्तर



BSEH-18/7026

18. हरि खाद की परिभाषा व बनाने का विस्तार पूर्वक वर्णन →

हरि खाद → इसका आशय है, कि पौधों को [दलहनी, अदलहनी] उनकी हरित अवस्था में ही उनको मिट्टी में दबा दिया जाता है, जिसे ही हरि खाद कहते हैं।

उदा. → सनई, देवा, गवार, मुंग, उड़द ।

बनाने की विधि → दो प्रकार है । →

i) खेत पर ही तैयार करना ।

ii) हरि पत्तियों को तोड़कर दूसरी जगह डालना ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

A) खेत पर ही तैयार करना →

जब दलहनी तथा अदलहनी फसलो को उनके हरित अवस्था में ही खेत में बिछाई कर दि जाती है। हरित अवस्था में फसलो को काटकर खेत में मिला दिया जाता है।

यह दो प्रकार की फसलो में कि या बनाई जाती है।

1. दलहनी → इसमें सभी प्रकार की दालों की फसलो में या दालकुल के पौधों में उनके फसलो को हरित अवस्था में ही काट कर मिला दिया जाता है। जिससे मृदा की उपजाऊ क्षमता बढ़ती है। तथा सुदमजीवों की क्रियाशीलता व संख्या में बढ़ोतरी होगी।

उदाहरण → सनई, मुंग, उड़द, ज्वार, चना आदि।

2. अदलहनी → इसमें सभी प्रकार की अनाज वाली फसलो चारे वाली फसलो आदि को उनके हरित अवस्था में काट कर मिट्टी में मिलाया जाता है, जिससे उपजाऊ क्षमता व वायु में बढ़ोतरी होती है।

उदाहरण → गोहूँ, ज्वार, बाजरा, मक्का, सोयाबिन आदि।

B) हरि पत्तियों को तोड़कर दूसरी जगह बताना। →

पेड़-पौधों की पत्तियों को तोड़कर दूसरी जगह पर बनाई जाती है, यह कृत्रिम रूप से तैयार कि जाती है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	-	पैड - पौधों से तोड़ि गई पत्तियों को तथा अन्य हरि - पेड पौधों की टहनियों को काटकर मिश्रण बनाकर खेत में मिला दिया जाता है।
	-	घास - फूस, ढंवल तथा अन्य घासों व छोटे - छोटे पेड - पौधों को कृत्रिम रूप से तैयार करके मृदा में मिला दिया जाता है।
	-	हरि खाद के प्रयोग से मृदा की जल - धारण क्षमता बढ़ती है।
	-	हरि खाद के प्रयोग से मृदा की भौतिक, रासायनिक व जैविक संरचना सुधरती है।
	-	हरि खाद के प्रयोग से मृदा के सूक्ष्मजीवों की क्रियाशीलता व संख्या बढ़ती है।

BSER-18/1/2026

* समाप्त *



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

BSER-JN/2026

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2026



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
-------------------------------	------------------	-------------------

ESER-181/2026

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2026



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
-------------------------------	------------------	-------------------

RSTER-18/1/2026

